६. एक टोकरी भर मिट्टी

कहानी का सारांश

इस पाठ में लेखक कमलेश्वर ने मानवीय संवेदनाओं, करुणा और प्रेम के महत्व को बड़े मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया है। कहानी का केंद्रबिंदु एक गरीब महिला है, जो अपने जीवन के छोटे-छोटे सुख-दुःख और अनुभवों के सहारे हमें मानवता का संदेश देती है।

कहानी में दिखाया गया है कि मिट्टी जैसी साधारण वस्तु भी इंसानों को जोड़ने और रिश्तों को मजबूत बनाने का साधन बन सकती है। महिला अपने साधारण जीवन में भी रिश्तों की गहराई और प्रेम की महत्ता को समझती है। जब वह 'एक टोकरी भर मिट्टी' माँगती है, तो उसका आशय केवल मिट्टी से नहीं, बल्कि भावनाओं, अपनत्व और संवेदनशीलता से होता है।

इस रचना से यह शिक्षा मिलती है कि जीवन में भौतिक वस्तुओं से अधिक मूल्यवान मानवीय रिश्ते और उनकी गर्माहट होती है। सहानुभूति, सहयोग और स्नेह ही असली संपत्ति हैं। लेखक ने साधारण घटनाओं और पात्रों के माध्यम से यह संदेश दिया है कि सच्ची खुशी बांटने और जोड़ने में है, न कि केवल पाने में।

मुख्य शिक्षा:

- सच्ची समृद्धि प्रेम और संवेदना में है।
- साधारण वस्तुओं में भी जीवन के गहरे संदेश छिपे होते हैं।
- दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना ही सच्चा मानवीय धर्म है।

कठिन शब्द

- **झोंपड़ी** – कच्चे या छोटे घर को कहते हैं।
- **अनाथ** – जिसके माता-पिता न हों।
- **पारिवारिक स्थिति** – घर-परिवार की दशा या हालात।
- **अदालत** – न्याय करने का स्थान, कोर्ट।
- **कब्ज़ा** – किसी चीज़ पर अपना अधिकार जमा लेना।
- **आंसुओं की धारा** – लगातार बहते हुए आँसू।
- **प्रार्थना** – विनती करना, हाथ जोड़कर कहना।
- **कृपा** – दया या उपकार।
- **लज्जित** – शर्मिंदा होना।
- **शक्ति** – ताकत।
- **उपयुक्तता** – ठीक होना, सही होना।
- **पश्चाताप** – गलती करने के बाद पछताना।
- **करुणा** – दया, सहानुभूति।
- **सहारा** – आसरा, किसी पर निर्भर रहना।

www.onepointlearning.com

पाठ से

मेरी समझ से

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के सम्मुख तारा (★) बनाइए कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. **ज़मींदार को झोंपड़ी हटाने की आवश्यकता क्यों लगी?**
   - झोंपड़ी जर्जर हो चुकी थी ★
   - वह अहाते का विस्तार करना चाहता था ★
   - झोंपड़ी रास्ते में बाधा थी
   - बूढ़ा से उसका कोई पुराना झगड़ा था
2. **बूढ़ा ने मिट्टी ले जाने की अनुमति कैसे माँगी?**
   - क्रोध और झगड़ा करके
   - विनती और नम्रता से ★
   - अदालत से अनुमति लेकर
   - चुपचाप उठाकर ले गई
3. **बूढ़ा की पोती का व्यवहार किस भाव को दर्शाता है?**
   - दया
   - गुस्सा
   - लगाव ★
   - डर
4. **कहानी का अंत कैसा है?**
   - दुखद
   - प्रेरणादायक ★
   - सुखद
   - सकारात्मक ★

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर क्यों चुने?

उत्तर:

1. में दो उत्तर इसलिए चुने क्योंकि झोंपड़ी जर्जर हो चुकी थी और ज़मींदार अहाता (आँगन) बड़ा करना चाहता था।
2. में बूढ़ी औरत ने क्रोध नहीं किया बल्कि विनम्रता से हाथ जोड़कर मिट्टी माँगी।
3. में पोती का व्यवहार अपने घर से गहरा लगाव दिखाता है, इसलिए "लगाव" सही है।
4. में अंत दुखद नहीं बल्कि प्रेरणादायक और सकारात्मक है क्योंकि ज़मींदार को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने झोंपड़ी लौटा दी।

मिलकर करें मिलान

(क) पाठ में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। प्रत्येक वाक्य के सामने दो-दो निष्कर्ष दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सर्वाधिक उपयुक्त निष्कर्षों से मिलाइए।

क्रम	वाक्य	सही निष्कर्ष
1	**अब यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।**	• **वृद्धावस्था में बूढ़ा का सहारा उसकी पोती ही थी।** • **वृद्धावस्था में पोती का सहारा वृद्ध ही था।**
2	**बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से उस झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया।**	• **ज़मींदार ने वकीलों से सलाह लेकर झोंपड़ी पर न्यायपूर्वक कब्ज़ा किया।** • **ज़मींदार ने वकीलों को पैसे देकर कानूनी दाँव-पेंच से झोंपड़ी पर कब्ज़ा किया।**
3	**आपसे एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो**	• **बूढ़ा ने ज़मींदार को कमज़ोर साबित करने के लिए टोकरी उठाने को कहा।**

www.onepointlearning.com

क्रम	वाक्य	सही निष्कर्ष
	हज़ारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है।	• **बूढ़ा ने टोकरी को प्रतीक बनाकर ज़मींदार को उसके अन्याय का अनुभव कराया।**
4	**ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे।**	• **धन और अहंकार ने ज़मींदार को मानवीयता और करुणा से दूर कर दिया था।** • **संपत्ति के घमंड को भूलकर ज़मींदार अपने कर्तव्यों को पूरा कर रहे थे।**
5	**कुकर्म का पश्चात्ताप कर उन्होंने बूढ़ा से क्षमा माँगी।**	• **बूढ़ा ने अपने व्यवहार पर पछताकर ज़मींदार से क्षमा माँगी।** • **अपने द्वारा किए अन्याय पर पछताकर ज़मींदार ने क्षमा माँगी।**
6	**उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे?**	• **बूढ़ा ने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि अन्याय का नैतिक भार उठाना आसान नहीं है।** • **बूढ़ा ने ज़मींदार की उम्र और शक्ति पर व्यंग्य करते हुए यह बात कही।**
7	**कृपा करके इस टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए जिससे कि मैं इसे अपने सिर पर धर लूँ।**	• **बूढ़ा ने चतुराई से ज़मींदार को शर्मिंदा करने की योजना बनाई।** • **बूढ़ा ने टोकरी उठाने में सहायता के लिए ज़मींदार से विनम्र निवेदन किया।**
8	**उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी।**	• **झोंपड़ी में प्रवेश करते ही बूढ़ा पुराने दिनों के कारण भावुक हो गई।** • **झोंपड़ी में जाकर बूढ़ा डर गई कि ज़मींदार उसे फिर से बाहर निकाल देगा और रोने लगी।**

उत्तर:

क्रम	वाक्य	सही निष्कर्ष
1	**अब यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।**	वृद्धावस्था में बूढ़ा का सहारा उसकी पोती ही थी।
2	**बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से उस झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया।**	ज़मींदार ने वकीलों को पैसे देकर कानूनी दाँव-पेंच से झोंपड़ी पर कब्ज़ा किया।
3	**आपसे एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो हज़ारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है।**	बूढ़ा ने टोकरी को प्रतीक बनाकर ज़मींदार को उसके अन्याय का अनुभव कराया।
4	**ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे।**	धन और अहंकार ने ज़मींदार को मानवीयता और करुणा से दूर कर दिया था।
5	**कुकर्म का पश्चात्ताप कर उन्होंने बूढ़ा से क्षमा माँगी।**	अपने द्वारा किए अन्याय पर पछताकर ज़मींदार ने क्षमा माँगी।
6	**उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे?**	बूढ़ा ने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि अन्याय का नैतिक भार उठाना आसान नहीं है।
7	**कृपा करके इस टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए जिससे कि मैं इसे अपने सिर पर धर लूँ।**	बूढ़ा ने टोकरी उठाने में सहायता के लिए ज़मींदार से विनम्र निवेदन किया।
8	**उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी।**	झोंपड़ी में प्रवेश करते ही बूढ़ा पुराने दिनों के कारण भावुक हो गई।

www.onepointlearning.com

(ख) अपने मित्रों के उत्तर से अपने उत्तर मिलाइए और चर्चा कीजिए कि आपने कौन-से निष्कर्षों का चुनाव किया है और क्यों?

उत्तर:

- मैंने निष्कर्ष इसलिए चुने क्योंकि वे कहानी की घटनाओं से सीधे जुड़े हैं।
- उदाहरण के लिए, बूढ़ी औरत ने टोकरी उठाने को प्रतीकात्मक बनाया ताकि ज़मींदार को उसके अन्याय का बोझ महसूस हो सके।
- झोंपड़ी में जाते ही बूढ़ी औरत को अपने अतीत की यादें आ गईं, इसलिए वह रो पड़ी, डर के कारण नहीं।
- अंत में ज़मींदार ने अपने अहंकार पर पछताकर क्षमा माँगी, न कि बूढ़ी औरत ने।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए।

(क) "आपसे एक टोकरी भर मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोंपड़ी में तो हज़ारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी हैं। "उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे?"

उत्तर:

- बूढ़ी औरत ने यहाँ मिट्टी की टोकरी को प्रतीक के रूप में प्रयोग किया।
- उसका तात्पर्य यह था कि जब एक टोकरी मिट्टी (अन्याय का छोटा-सा प्रतीक) भी उठाना कठिन है, तो पूरी झोंपड़ी की हज़ारों टोकरी मिट्टी (अन्याय का बड़ा बोझ) जन्म-भर कैसे उठेगी?
- यह वाक्य अन्याय और अपराध के नैतिक बोझ की ओर संकेत करता है।
- संदेश यह है कि अन्याय का भार शारीरिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक होता है, जिसे उठाना किसी के लिए संभव नहीं।

(ख) "ज़मींदार साहब पहले तो बहुत नाराज़ हुए, पर जब वह बार-बार हाथ जोड़ने लगी और पैरों पर गिरने लगी तो उनके भी मन में कुछ दया आ गयी। किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वयं टोकरी उठाने को आगे बढ़े। ज्यों ही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे त्यों ही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है।"

उत्तर:

- यह अंश ज़मींदार के मनोभावों के परिवर्तन को दर्शाता है।
- शुरू में वह क्रोध और घमंड से भरे थे, लेकिन बूढ़ी औरत की विनती और करुणा देखकर उनका कठोर हृदय पिघलने लगा।
- जब उन्होंने स्वयं टोकरी उठानी चाही, तब समझ में आया कि अन्याय का बोझ उठाना वास्तव में असंभव है।
- यह प्रसंग हमें यह शिक्षा देता है कि अहंकार और क्रोध मनुष्य को अंधा बना देते हैं, परंतु करुणा और सत्य अंततः हृदय को बदल देते हैं।

सोच-विचार के लिए

पाठ को पुनः ध्यान से पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए।

(क) आपके विचार से कहानी का सबसे प्रभावशाली पात्र कौन है और क्यों?

उत्तर: बसे प्रभावशाली पात्र वृद्धा (बूढ़ी औरत) है क्योंकि उसने अपनी नम्रता, बुद्धिमानी और करुणा से ज़मींदार को उसकी गलती का अहसास कराया।

www.onepointlearning.com

(ख) वृद्धा की पोती ने खाना क्यों छोड़ दिया था?
उत्तर: पोती अपने घर से बहुत जुड़ी हुई थी। जब झोंपड़ी छूट गई तो दुख के कारण उसने खाना-पीना छोड़ दिया।

(ग) ज़मींदार ने झोंपड़ी पर कब्ज़ा कैसे किया?
उत्तर: ज़मींदार ने वकीलों को पैसे देकर कानूनी दाँव-पेंच (अदालत का सहारा) से झोंपड़ी पर कब्ज़ा कर लिया।

(घ) "महाराज क्षमा करें तो एक विनती है। ज़मींदार साहब के सिर हिलाने पर उसने कहा...।" यहाँ ज़मींदार द्वारा सिर हिलाने की इस क्रिया का क्या अर्थ है?
उत्तर: सिर हिलाने का अर्थ है कि ज़मींदार ने अनुमति दे दी और वृद्धा को अपनी बात कहने का अवसर प्रदान किया।

(ङ) "किसी नौकर से न कहकर आप ही स्वयं टोकरी उठाने आगे बढ़े।" यहाँ ज़मींदार के व्यवहार में परिवर्तन का आरंभ दिखाई देता है। पहले ज़मींदार का व्यवहार कैसा था? इस घटना के बाद उसके व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?
उत्तर: पहले ज़मींदार का व्यवहार घमंडी, कठोर और निर्दयी था। इस घटना के बाद उनमें करुणा और दया जागी। उन्होंने स्वयं टोकरी उठाने की कोशिश की और अपनी गलती समझी।

(च) "उन्होंने बूढ़ा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापस दे दी।" ज़मींदार ने ऐसा क्यों किया?
उत्तर: क्योंकि उन्हें अपने अन्याय और गलती का पश्चाताप हुआ। उन्हें समझ में आ गया कि अन्याय का बोझ उठाना असंभव है, इसलिए उन्होंने क्षमा माँगी और झोंपड़ी लौटा दी।

अनुमान और कल्पना से

(क) यदि वृद्धा की पोती ज़मींदार से स्वयं बात करती तो वह क्या कहती?
उत्तर: पोती कहती कि "महाराज! यह झोंपड़ी मेरे घर की यादों से जुड़ी है। इसे मत छीनिए। यहाँ मेरा बचपन और मेरे माता-पिता की यादें बसती हैं।"

(ख) यदि आप ज़मींदार की जगह होते तो क्या करते?
उत्तर: मैं लालच और घमंड में आकर झोंपड़ी छीनने की बजाय वृद्धा की मदद करता। गरीब और अनाथ लोगों के लिए सहानुभूति और दया दिखाना ही मेरा कर्तव्य होता।

(ग) ज़मींदार को टोकरी उठाने में सफलता क्यों नहीं मिली होगी?
उत्तर: क्योंकि वह टोकरी केवल मिट्टी की नहीं थी, बल्कि अन्याय और पाप का प्रतीक थी। अन्याय का बोझ कोई इंसान नहीं उठा सकता। इसलिए ज़मींदार असफल रहा।

(घ) "झोंपड़ी में तो हज़ारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी हैं..."। यहाँ केवल मिट्टी की बात की जा रही है या कुछ और बात भी छिपी है?(संकेत—मिट्टी किस बात का प्रतीक हो सकती है? मिट्टी के बहाने वृद्धा क्या कहना चाहती है?)
उत्तर: यहाँ केवल मिट्टी की बात नहीं है। मिट्टी अन्याय और पाप का प्रतीक है। वृद्धा यह कहना चाहती थी कि जब एक टोकरी अन्याय भी सहन नहीं हो पा रहा है, तो पूरी झोंपड़ी का पाप और अन्याय का बोझ जीवन-भर कैसे उठाया जाएगा।

www.onepointlearning.com

(ङ) यह कहानी आज से लगभग सवा सौ साल पहले लिखी गई थी। इस कहानी के आधार पर बताइए कि भारत में स्त्रियों को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता होगा?

उत्तर: स्त्रियों को गरीबी और अनाथपन में अकेले संघर्ष करना पड़ता था। उनकी बात को समाज और अदालत में कोई महत्व नहीं दिया जाता था। संपत्ति और घर से आसानी से उन्हें वंचित कर दिया जाता था। उन्हें अपना हक़ पाने के लिए विनती और करुणा का सहारा लेना पड़ता था।

बदली कहानी

कल्पना कीजिए कि कहानी कैसे आगे बढ़ती—

- **यदि ज़मींदार टोकरी उठाने से मना कर देता**
- **यदि ज़मींदार टोकरी उठा लेता**
- **यदि ज़मींदार मिट्टी देने से मना कर देता**
- **यदि ज़मींदार एक स्त्री होती**
- **यदि पोती ज़मींदार से अपनी झोंपड़ी वापस माँगती**

अपने समूह के साथ इनमें से किसी एक स्थिति को चुनकर चर्चा कीजिए इस बदली हुई कहानी को मिलकर लिखिए।

उत्तर:

- **यदि ज़मींदार टोकरी उठाने से मना कर देता**

  उत्तर:

  → तब वृद्धा कहती कि "महाराज, जब एक टोकरी का भार भी आप नहीं उठा सकते तो पूरी झोंपड़ी का अन्याय जीवन-भर कैसे सह पाएँगे?"

  → यह बात सुनकर आसपास के लोग ज़मींदार की निंदा करते और शायद समाज के दबाव में आकर उन्हें झोंपड़ी लौटानी पड़ती।

- **यदि ज़मींदार टोकरी उठा लेता**

  उत्तर:

  → यदि टोकरी उठाने में वह सफल हो जाता, तो वह अपने अन्याय के भार को हल्का समझकर और अधिक घमंडी हो जाता।

  → वृद्धा और उसकी पोती को न्याय नहीं मिलता और कहानी का अंत दुखद हो जाता।

- **यदि ज़मींदार मिट्टी देने से मना कर देता**

  उत्तर:

  → तब वृद्धा न्याय और करुणा के लिए फिर से लोगों से विनती करती।

  → संभव है कि गाँव के लोग उसका साथ देकर ज़मींदार को अपनी गलती का अहसास कराते।

- **यदि ज़मींदार एक स्त्री होती**

  उत्तर:

  → तो शायद वह वृद्धा के दर्द और करुणा को जल्दी समझ पाती।

  → वह दया दिखाकर झोंपड़ी लौटाने में देर न करती।

- **यदि पोती ज़मींदार से अपनी झोंपड़ी वापस माँगती**

  उत्तर:

  → पोती भावुक होकर कहती, "महाराज! यह झोंपड़ी मेरी माँ-बाप की आखिरी निशानी है, कृपा करके इसे मत छीनिए।"

  → उसकी मासूमियत और सच्चाई देखकर ज़मींदार तुरंत पिघल जाता और झोंपड़ी लौटा देता।

www.onepointlearning.com

'कि' और 'की' का उपयोग

इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दीजिए—

- **इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी।**
- → **यहाँ "कि" एक संयोजक के रूप में प्रयोग हुआ है। संयोजक का अर्थ होता है मिलाने वाला। संयोजक शब्दों या वाक्यों को जोड़ने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। यह हमें बताता है—क्या कहा गया, क्या सोचा गया, क्या देखा गया आदि।**
- **ज़मींदार के महल के पास एक गरीब, अनाथ वृद्धा की झोंपड़ी थी।**
- → **यहाँ "की" एक संबंधसूचक कारक शब्द है। इसका प्रयोग संज्ञा या सर्वनाम का किसी अन्य शब्द के साथ संबंध बताने के लिए किया जाता है। अन्य संबंधकारक शब्द हैं— का और के।**

अब नीचे दिए गए वाक्यों में इन दोनों शब्दों का उपयुक्त प्रयोग कीजिए—

1. **वृद्धा ने कहा _____ वह झोंपड़ी को लेने नहीं आई है।**
2. **वह अपनी पोती _____ चिंता में दुखी हो गई थी।**
3. **बूढ़ा ने प्रार्थना _____ टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए।**
4. **पोती हमेशा कहती थी _____ वह अपने घर में ही खाना खाएगी।**
5. **झोंपड़ी _____ मिट्टी से चूल्हा वृद्धा बनाना चाहती थी।**
6. **उसे विश्वास था _____ मिट्टी का चूल्हा देखकर पोती खाना खाने लगेगी।**
7. **वृद्धा _____ आँखों से आँसुओं _____ धारा बहने लगी।**
8. **उसने यह सोचा _____ झोंपड़ी से मिट्टी ले जाकर चूल्हा बनाऊँगी।**
9. **वृद्धा के मन _____ पीड़ा उसकी बातों में झलक रही थी।**
10. **ज़मींदार इतने लज्जित हुए _____ टोकरी उठाने की बात मान ली।**
11. **उस झोंपड़ी _____ हर दीवार वृद्धा _____ यादों से भरी थी।**

उत्तर:

1. वृद्धा ने कहा **कि** वह झोंपड़ी को लेने नहीं आई है।
2. वह अपनी पोती **की** चिंता में दुखी हो गई थी।
3. बूढ़ा ने प्रार्थना **कि** टोकरी को ज़रा हाथ लगाइए।
4. पोती हमेशा कहती थी **कि** वह अपने घर में ही खाना खाएगी।
5. झोंपड़ी **की** मिट्टी से चूल्हा वृद्धा बनाना चाहती थी।
6. उसे विश्वास था **कि** मिट्टी का चूल्हा देखकर पोती खाना खाने लगेगी।
7. वृद्धा **की** आँखों से आँसुओं की धारा बहने लगी।
8. उसने यह सोचा **कि** झोंपड़ी से मिट्टी ले जाकर चूल्हा बनाऊँगी।
9. वृद्धा के मन **की** पीड़ा उसकी बातों में झलक रही थी।
10. ज़मींदार इतने लज्जित हुए **कि** टोकरी उठाने की बात मान ली।
11. उस झोंपड़ी की हर दीवार वृद्धा **की** यादों से भरी थी।

मुहावरे

"बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया।"

(क) इस वाक्य में मुहावरों की पहचान करके उन्हें रेखांकित कीजिए।

उत्तर: इस वाक्य में मुहावरा है – "बाल की खाल निकालना"

(अर्थ – बहुत छोटी-सी बात में भी कमी निकालना या झगड़ा करना)

www.onepointlearning.com

(ख) 'बाल' शब्द से जुड़े निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए—

- **बाल बाँका न होना— कुछ भी कष्ट या हानि न पहुँचना। पूर्ण रूप से सुरक्षित रहना।**
  वाक्य: पुलिस की सुरक्षा में नेता का बाल बाँका न हुआ, जबकि चारों ओर भीड़ थी।
- **बाल बराबर— बहुत सूक्ष्म। बहुत महीन या पतला।**
  वाक्य: दोनों रेखाओं के बीच बाल बराबर ही अंतर था।
- **बाल बराबर फ़र्क होना— ज़रा-सा भी भेद होना। सूक्ष्मतम अंतर होना।**
  वाक्य: दोनों जुड़वाँ भाइयों के चेहरे में बाल बराबर फ़र्क भी नहीं था।
- **बाल-बाल बचना— कोई विपत्ति आने या हानि पहुँचने में बहुत थोड़ी कमी रह जाना।**
  वाक्य: सड़क पार करते समय वह कार से टकराने से बाल-बाल बच गया।

काल

नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए—

- **इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाऊँगी।**
- **इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पकाई।**
- **इस झोंपड़ी में से एक टोकरी भर मिट्टी लेकर उसी का चूल्हा बनाकर रोटी पका रही हूँ।**

यहाँ रेखांकित शब्दों से पता चल रहा है कि कार्य होने का समय या काल क्या है। क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कोई कार्य कब हुआ, हो रहा है या होने वाला है, उसे काल कहते हैं।

काल के तीन भेद होते हैं—

1. **भूतकाल — यह बताता है कि कार्य पहले ही हो चुका है।**
2. **वर्तमान काल — यह बताता है कि कार्य अभी हो रहा है या सामान्य रूप से होता रहता है।**
3. **भविष्य काल — यह बताता है कि कार्य आने वाले समय या भविष्य में होगा।**

नीचे दिए गए वाक्यों को वर्तमान और भविष्य काल में बदलिए—

(क) वह गिड़गिड़ाकर बोली।

(ख) श्रीमान् ने आज्ञा दे दी।

(ग) उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी।

(घ) ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।

(ङ) उन्होंने वृद्धा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापस दे दी।

उत्तर:

(क) वह गिड़गिड़ाकर बोली।

- **वर्तमान काल –** वह गिड़गिड़ाकर बोल रही है।
- **भविष्य काल –** वह गिड़गिड़ाकर बोलेगी।

(ख) श्रीमान् ने आज्ञा दे दी।

- **वर्तमान काल –** श्रीमान् आज्ञा दे रहे हैं।
- **भविष्य काल –** श्रीमान् आज्ञा देंगे।

(ग) उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी।

- **वर्तमान काल –** उसकी आँखों से आँसू की धारा बह रही है।
- **भविष्य काल –** उसकी आँखों से आँसू की धारा बहेगी।

www.onepointlearning.com

(घ) ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।

- **वर्तमान काल –** ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हो रही है।
- **भविष्य काल –** ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा होगी।

(ङ) उन्होंने वृद्धा से क्षमा माँगी और उसकी झोंपड़ी वापस दे दी।

- **वर्तमान काल –** वे वृद्धा से क्षमा माँग रहे हैं और उसकी झोंपड़ी वापस दे रहे हैं।
- **भविष्य काल –** वे वृद्धा से क्षमा माँगेंगे और उसकी झोंपड़ी वापस देंगे।

वचन की पहचान

"उनके मन में कुछ दया आ गई।"

"उनकी आँखें खुल गईं।"

ऊपर दिए गए रेखांकित शब्दों में क्या अंतर है और क्यों? आपस में चर्चा करके पता लगाइए।

आपने ध्यान दिया होगा कि शब्द में एक अनुस्वार-भर के अंतर से उसके अर्थ में अंतर आ जाता है।

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द भरिए—

(क) वृद्धा झोंपड़ी के भीतर _____। (गई/गईं)

(ख) वृद्धा गिड़गिड़ाकर _____। (बोली/बोलीं)

(ग) पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया _____। (है/हैं)

(घ) उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी _____। (थी/थीं)

(ङ) उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और बाहर ले _____। (आई/आईं)

(च) झोंपड़ी में बसी पुरानी यादें वृद्धा को रुला _____। (गई/गईं)

(छ) पाठक देख सकते हैं कि कैसे एक छोटी-सी टोकरी ने बड़े बदलाव ला दिए _____। (है/हैं)

उत्तर:

(क) वृद्धा झोंपड़ी के भीतर **गई**।

(ख) वृद्धा गिड़गिड़ाकर **बोली**।

(ग) पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया **है**।

(घ) उसकी आँखों से आँसू की धारा बहने लगी **थी**।

(ङ) उसने अपनी टोकरी मिट्टी से भर ली और बाहर ले **आई**।

(च) झोंपड़ी में बसी पुरानी यादें वृद्धा को रुला **गईं**।

(छ) पाठक देख सकते हैं कि कैसे एक छोटी-सी टोकरी ने बड़े बदलाव ला दिए **हैं**।

कहानी की रचना

"यह सुनकर बूढ़ा ने कहा, "महाराज, नाराज़ न हों तो..."

इस पंक्ति में लेखक ने जानबूझकर वृद्धा की कही हुई बात को अधूरा छोड़ दिया है। बात को अधूरा छोड़ने के लिए '...' का उपयोग किया गया है। इस प्रकार के वाक्यों और प्रयोगों से कहानी का प्रभाव और बढ़ जाता है। अनेक बार कहानी में नाटकीयता लाने के लिए भी इस प्रकार के प्रयोग किए जाते हैं।

(क) आपको इस कहानी में ऐसी अनेक विशेषताएँ दिखाई देती हैं। उन्हें अपने समूह के साथ मिलकर ढूँढ़िए और उनकी सूची बनाइए।

उत्तर: कहानी "एक टोकरी भर मिट्टी" में हमें निम्नलिखित विशेषताएँ दिखाई देती हैं –

- करुणा और दया का भाव

www.onepointlearning.com

- नाटकीय दृश्य (टोकरी उठाने का प्रसंग)
- संवादों से कहानी का आगे बढ़ना
- पात्रों का यथार्थ चित्रण (वृद्धा, पोती, ज़मींदार)
- अन्याय और पश्चाताप का संदेश
- प्रश्नोत्तरी शैली (पाठक को सोचने पर मजबूर करना)
- भावनात्मक प्रभाव (आँसू, विनती, पछतावा)

(ख) इस कहानी की कुछ विशेषताओं को नीचे दिया गया है। इनके उदाहरण कहानी से चुनकर लिखिए—

कहानी की विशेषताएँ	कहानी से उदाहरण
1. **प्रश्नोत्तरी** शैली— कहानी में ऐसे प्रश्न हैं जो पाठक को सोचने पर विवश कर देते हैं। 2. **वर्णनात्मकता**— लेखक ने जगहों और भावनाओं का ऐसा चित्र खींचा है कि पाठक दृश्य को देख सकता है। 3. **भावनात्मकता**— कहानी में करुणा, पछतावा और प्रेम जैसे गहरे भाव दिखते हैं। 4. **संवादात्मकता**— पात्रों के संवादों से कहानी आगे बढ़ती है और प्रभावी बनती है। 5. **नाटकीयता**— कुछ दृश्य इतने प्रभावशाली हैं कि वे नाटक जैसे लगते हैं। 6. **चरित्र चित्रण**— पात्रों के गुण, स्वभाव और मन की स्थिति स्पष्ट रूप से दिखती है।	

उत्तर:

कहानी की विशेषताएँ	कहानी से उदाहरण
1. **प्रश्नोत्तरी शैली**	→ "उसका भार आप जन्म-भर कैसे उठा सकेंगे?"
2. **वर्णनात्मकता**	→ "उसे पुरानी बातों का स्मरण हुआ और उसकी आँखों से आँसुओं की धारा बहने लगी।"
3. **भावनात्मकता**	→ "पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया और दिन-भर उदास बैठी रही।"
4. **संवादात्मकता**	→ "महाराज, क्षमा करें तो एक विनती है।"
5. **नाटकीयता**	→ "ज्यों ही टोकरी को हाथ लगाकर ऊपर उठाने लगे, त्यों ही देखा कि यह काम उनकी शक्ति के बाहर है।"
6. **चरित्र चित्रण**	→ "ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे।" (ज़मींदार का घमंड) / "वृद्धा ने नम्रता और करुणा से प्रार्थना की।" (वृद्धा का स्वभाव)

शब्दकोश का उपयोग

आप जानते ही हैं कि हम शब्दकोश का प्रयोग करके शब्दों के विषय में अनेक प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नीचे कुछ शब्दों के अनेक अर्थ शब्दकोश से चुनकर दिए गए हैं। इन शब्दों के जो अर्थ इस कहानी के अनुसार सबसे उपयुक्त हैं, उन पर घेरा बनाइए—

वाक्य	रेखांकित शब्द का अर्थ
1. **<u>श्रीमान्</u> के सब प्रयत्न निष्फल हुए।**	→ धनी, शोभायुक्त, शोभावान्, संपत्तिशाली, संपन्न, पुरुषों के नाम के पूर्व आदर सूचनार्थ लगाया जाने वाला शब्द।
2. **परसोहू भी एक पाँच बरस की <u>कन्या</u> को छोड़कर चल बसी थी।**	→ अविवाहित लड़की, एक राशि का नाम, लड़की, बड़ी इलायची।

3. ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।	→ राजा या ईश आदि के रहने का बहुत बड़ा और बढ़िया मकान, प्रसाद, अंतःपुर, पत्नी, उतरने की जगह।
4. वह तो कई ज़माने से वहीं बसी थी।	→ काल, बहुत अधिक समय, सौभाग्य का समय, संसार, जगत, राज्यकाल, अवधि, युग, कार्यकाल, विलंब, देर, अतिकाल।
5. यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।	→ सहारा, आलंबन, पात्र (नाटक), नींव, बाँध, नहर, संबंध, बरतन, परिस्थितियाँ, अधिष्ठान, आश्रय देनेवाला, पालन करनेवाला।

उत्तर:

1. **श्रीमान् के सब प्रयत्न निष्फल हुए।**

→ पुरुषों के नाम के पूर्व आदर सूचनार्थ लगाया जाने वाला शब्द।

2. **परसोहू भी एक पाँच बरस की कन्या को छोड़कर चल बसी थी।**

→ अविवाहित लड़की, लड़की।

3. **ज़मींदार साहब को अपने महल का अहाता उस झोंपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।**

→ राजा या ईश आदि के रहने का बहुत बड़ा और बढ़िया मकान।

4. **वह तो कई ज़माने से वहीं बसी थी।**

→ बहुत अधिक समय।

5. **यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।**

→ सहारा, आश्रय देनेवाला, पालन करनेवाला।

भावों की पहचान

"कुकर्म का पश्चात्ताप कर उन्होंने बूढ़ा से क्षमा माँगी..."

कहानी की इस पंक्ति से कौन-कौन से भाव प्रकट हो रहे हैं? सही पहचाना, इस पंक्ति से पश्चात्ताप और क्षमा के भाव प्रकट हो रहे हैं। अब नीचे दी गई पंक्तियों में प्रकट हो रहे भावों से उनका मिलान कीजिए—

पंक्तियाँ	भाववाचक संज्ञा
1. वह लज्जित होकर कहने लगे— 'नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी।'	**i. ममता/स्नेह**
2. बूढ़ा के उपर्युक्त वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गईं।	
3. उनके मन में कुछ दया आ गई।विनम्रता/विनय.इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी।	**ii. दुख/पीड़ा**
	iii. अहंकार/घमंड
4. महाराज क्षमा करें तो एक विनती है।	
5. अब यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी।	**iv. बोध/आत्मज्ञान**
6. ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे।	**v. आस्था/विश्वास**
7. उस झोंपड़ी में उसका मन ऐसा कुछ लग गया था कि बिना मरे वहाँ से वह निकलना ही नहीं चाहती थी।	**vi. जुड़ाव/मोह**
	vii. करुणा/दया
8. जब उसे अपनी पूर्वस्थिति की याद आ जाती तो मारे दुख के फूट-फूट कर रोने लगती थी।	**viii. क्रूरता/अन्याय**
9. बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया।	**ix. लज्जा/पश्चात्ताप**

www.onepointlearning.com

उत्तर:

1. वह लज्जित होकर कहने लगे— 'नहीं, यह टोकरी हमसे न उठाई जाएगी।' - x. लज्जा/पश्चात्ताप
2. बूढ़ा के उपर्युक्त वचन सुनते ही उनकी आँखें खुल गईं। - v. बोध / आत्मज्ञान
3. उनके मन में कुछ दया आ गई। - viii. करुणा / दया
4. इससे भरोसा है कि वह रोटी खाने लगेगी। - vi. आस्था / विश्वास
5. महाराज क्षमा करें तो एक विनती है। - iii. विनम्रता / विनय
6. अब यही उसकी पोती इस वृद्धाकाल में एकमात्र आधार थी। - vii. जुड़ाव / मोह
7. ज़मींदार साहब धन-मद से गर्वित हो अपना कर्तव्य भूल गए थे। - iv. अहंकार / घमंड
8. उस झोंपड़ी में उसका मन ऐसा कुछ लग गया था कि बिना मरे वहाँ से वह निकलना ही नहीं चाहती थी। - i. ममता / स्नेह
9. जब उसे अपनी पूर्वस्थिति की याद आ जाती तो मारे दुख के फूट-फूट कर रोने लगती थी। - ii. दुख / पीड़ा
10. बाल की खाल निकालने वाले वकीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से झोंपड़ी पर अपना कब्ज़ा कर लिया। - ix. क्रूरता / अन्याय

वाक्य विस्तार

'वृद्धा पहुँची'

यह केवल दो शब्दों से बना एक वाक्य है लेकिन हम इस वाक्य को बड़ा भी बना सकते हैं—

'वह वृद्धा हाथ में एक टोकरी लेकर वहाँ पहुँची।'

अब बात कुछ अच्छी तरह समझ में आ रही है। किंतु इसी वाक्य को हम और विस्तार भी दे सकते हैं, जैसे—

'थकी हुई आँखों और काँपते हाथों में टोकरी लिए वृद्धा धीरे-धीरे दरवाज़े पर पहुँची।'

अब यह वाक्य अनेक अर्थ और भाव व्यक्त कर रहा है। अब इसी प्रकार नीचे दिए गए वाक्यों का कहानी को ध्यान में रखते हुए विस्तार कीजिए। प्रत्येक वाक्य में लगभग 15-20 शब्द हो सकते हैं।

1. **एक झोंपड़ी थी।**
   उत्तर: गाँव के किनारे, ज़मींदार के विशाल महल के पास, मिट्टी और फूस से बनी एक छोटी झोंपड़ी थी।
2. **श्रीमान् टहल रहे थे।**
   उत्तर: महल के अहाते में, अपने सेवकों से घिरे श्रीमान् गर्व से इधर-उधर टहलते हुए भविष्य की योजनाएँ सोच रहे थे।
3. **वह खाने लगेगी।**
   उत्तर: वृद्धा को विश्वास था कि मिट्टी के चूल्हे पर बनी रोटी देखकर उसकी भूखी पोती प्रसन्न होकर खाने लगेगी।
4. **वृद्धा भीतर गई।**
   उत्तर: आँसुओं से भरी आँखों और काँपते पैरों के सहारे वृद्धा धीरे-धीरे अपनी पुरानी झोंपड़ी के भीतर गई।
5. **आगे बढ़े।**
   उत्तर: दया से पिघले ज़मींदार साहब स्वयं आगे बढ़े और टोकरी उठाने की कोशिश करते हुए वृद्धा की ओर देखे।

संवाद फ़ोन पर

(क) कल्पना कीजिए कि यह कहानी आज के समय की है। ज़मींदार वृद्धा की पोती को समझाना चाहता है कि वह जिद छोड़ दे और भोजन कर ले। उसने पोती को फ़ोन किया है। अपनी कल्पना से दोनों की बातचीत लिखिए।

(ख) कल्पना कीजिए कि ज़मींदार और उसका कोई मित्र वृद्धा की झोंपड़ी हथियाने के बारे में मोबाइल पर लिखित संदेशों द्वारा चर्चा कर रहे हैं। मित्र उसे समझा रहा है कि वह झोंपड़ी न हड़पे। उनकी इस लिखित चर्चा को अपनी कल्पना से भाव मुद्रा (इमोजी) के साथ लिखिए।

उदाहरण—

मित्र— इस विचार को छोड़ दो, तुम्हें आख़िर किस बात की कमी है? 🤔

ज़मींदार— 😠 मुझे तुमसे उपदेश नहीं सुनना है।

उत्तर:

(क) संवाद फ़ोन पर (ज़मींदार और वृद्धा की पोती)

ज़मींदार (फ़ोन पर): बेटा, तुमने खाना क्यों छोड़ दिया? 🤔

पोती: दादाजी, हमारा घर छिन गया है। मुझे अपनी झोंपड़ी चाहिए। 😢

ज़मींदार: मैं समझता हूँ। तुम्हें दुख पहुँचा, इसके लिए मुझे बहुत अफ़सोस है। 🙏

पोती: जब तक मुझे अपना घर वापस नहीं मिलेगा, मैं खाना नहीं खाऊँगी। 😔

ज़मींदार: नहीं, नहीं! ऐसा मत करो। तुम्हारा स्वास्थ्य बिगड़ जाएगा। 😟

पोती: तो आप हमारी झोंपड़ी लौटा दीजिए। 🏚️

ज़मींदार: हाँ बेटा, मैंने गलती की थी। अब मैं तुम्हें झोंपड़ी वापस देता हूँ। 😊

पोती: सचमुच? अब मैं खाना खाऊँगी। 🥺😀

(ख) मोबाइल संदेश द्वारा चर्चा (ज़मींदार और उसका मित्र)

मित्र: भाई, झोंपड़ी पर कब्ज़ा करने का विचार छोड़ दो। तुम्हें इसकी ज़रूरत नहीं है। 🤔

ज़मींदार: 😠 मुझे बड़ी ज़मीन चाहिए। मैं महल का अहाता बढ़ाना चाहता हूँ।

मित्र: लेकिन इससे एक गरीब वृद्धा बेघर हो जाएगी। 😢 क्या यह ठीक है?

ज़मींदार: 😠 कानून तो मेरे साथ है, अदालत ने भी मुझे अधिकार दे दिया है।

मित्र: कानून से बढ़कर इंसानियत होती है। ❤️ सोचो, अगर तुम्हारी माँ-बेटी को कोई घर से निकाल दे तो? 😔

ज़मींदार: (चुप...) 😶

मित्र: मान लो भाई, दया दिखाओ। यही सच्ची जीत है। ✨

ज़मींदार: तुम सही कहते हो। 😞 मैं झोंपड़ी लौटा दूँगा। 🙏

पोती की भावनाएँ

"मेरी पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया है।"

(क) कहानी में वृद्धा की पोती एक महत्वपूर्ण पात्र है, भले ही उसका उल्लेख केवल एक-दो पंक्तियों में ही हुआ है। कल्पना कीजिए कि आप ही वह पोती हैं। आपको अपने घर से बहुत प्यार है। अपने घर को बचाने के लिए जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए।

उत्तर: जिलाधिकारी को पत्र (पोती के रूप में)

प्रति,

माननीय जिलाधिकारी महोदय,

जनपद _____

विषय : मेरी झोंपड़ी बचाने के संबंध में प्रार्थना।

महोदय,

www.onepointlearning.com

सविनय निवेदन है कि मैं एक अनाथ बालिका हूँ और अपनी वृद्ध दादी के साथ एक छोटी-सी झोंपड़ी में रहती हूँ। यह झोंपड़ी मेरे लिए घर ही नहीं, बल्कि मेरी सारी यादों और खुशियों का स्थान है। हाल ही में ज़मींदार साहब ने उस पर कब्ज़ा कर लिया है और हमें बेघर कर दिया है।
महोदय, मैं आपसे प्रार्थना करती हूँ कि कृपया हमें न्याय दिलाएँ और हमारी झोंपड़ी हमें वापस दिलाएँ। यही हमारा एकमात्र सहारा है। मुझे विश्वास है कि आपकी कृपा से हम फिर से अपने घर में चैन और सुख से रह पाएँगे।
सधन्यवाद,
आपकी आज्ञाकारी,
एक अनाथ पोती

(ख) मान लीजिए कि वृद्धा की पोती दैनंदिनी (डायरी) लिखा करती थी। कहानी की घटनाओं के आधार पर कल्पना कीजिए कि उसने अपनी डायरी में क्या लिखा होगा? स्वयं को पोती के स्थान पर रखते हुए वह दैनंदिनी लिखिए। उदाहरण के लिए—
उत्तर: पोती की दैनंदिनी (डायरी लेखन)
मेरी दैनंदिनी
2 मई – आज दादी बहुत उदास थीं। बार-बार आँसू बहा रही थीं। उन्होंने मुझे बताया कि हमारी झोंपड़ी ज़मींदार ने छीन ली है। मैं यह सुनकर काँप उठी।
3 मई – मैंने खाना-पीना छोड़ दिया। मुझे अपने घर से बहुत प्यार है। बिना घर के मैं कुछ भी नहीं खा सकती। दादी मुझे मनाती रहीं, पर मेरा मन नहीं माना।
5 मई – आज दादी ज़मींदार से मिलने गईं। उन्होंने बहुत विनती की। मैं पूरे दिन बेचैन रही।
6 मई – दादी लौटकर आईं तो उनके चेहरे पर हल्की मुस्कान थी। उन्होंने बताया कि ज़मींदार हमारी झोंपड़ी वापस देने को तैयार हो गया है। मेरी आँखों से आँसू निकल आए, लेकिन इस बार खुशी के आँसू थे।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) कहानी में वृद्धा की पोती अपने घर से बहुत प्यार करती थी। आपके घर से अपने लगाव का अनुभव बताइए।
उत्तर: मेरे घर से मुझे बहुत लगाव है। जब मैं घर में होता हूँ तो मुझे सुरक्षित और सुकून महसूस होता है। घर में मेरी यादें, हँसी और परिवार का प्यार बसता है।

(ख) क्या कभी आपको किसी स्थान, वस्तु या व्यक्ति से इतना लगाव हुआ है कि उसे छोड़ना मुश्किल लगा हो? अपना अनुभव साझा कीजिए।
उत्तर: हाँ, एक बार मेरी पसंदीदा कहानी की किताब खो गई थी। उससे मुझे इतना लगाव था कि मैं बहुत दुखी हुआ। मुझे उसे छोड़ना मुश्किल लगा क्योंकि उसमें मेरी बहुत सारी यादें जुड़ी थीं।

(ग) कहानी में ज़मींदार अपने किए पर पश्चात्ताप कर रहा है। क्या आपने कभी किसी को उनके किए पर पछताते हुए देखा है? उस घटना के बारे में बताइए। यह भी बताइए कि उस पश्चात्ताप का क्या परिणाम निकला?
उत्तर: मैंने एक बार अपने दोस्त को देखा जो गलती से अपनी बहन का खिलौना तोड़ बैठा था। वह पछताने लगा और बहन से माफी माँगी। परिणाम यह हुआ कि बहन ने उसे माफ कर दिया और दोनों फिर से खेल में लग गए।

www.onepointlearning.com

(घ) क्या कभी ऐसा हुआ है कि आपने कोई काम गुस्से या अहंकार में किया हो और बाद में पछताए हों? फिर आपने क्या किया? उस अनुभव से आपने क्या सीखा?

उत्तर: एक बार मैंने गुस्से में अपनी माँ की बात नहीं मानी और घर का छोटा काम करने से मना कर दिया। बाद में मुझे पछतावा हुआ। मैंने माफी माँगी और काम भी किया। इस अनुभव से मैंने सीखा कि गुस्से में लिया गया फैसला हमेशा गलत होता है।

न्याय और समता

कहानी में आपने पढ़ा कि एक ज़मींदार ने लालच के कारण एक स्त्री का घर छीन लिया।

(क) क्या आपने किसी के साथ ऐसा अन्याय देखा, पढ़ा या सुना है? उसके बारे में बताइए।

उत्तर: मैंने अख़बार में पढ़ा था कि एक मज़दूर का वेतन मालिक ने दबा लिया था। यह बहुत बड़ा अन्याय था। बाद में लोगों ने उसकी मदद की और उसे उसका हक़ दिलाया गया।

(ख) ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं? आपके आस-पास के लोग क्या-क्या कर सकते हैं?

उत्तर: ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए हम आवाज़ उठा सकते हैं, मिलकर विरोध कर सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर प्रशासन की मदद ले सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग भी एक-दूसरे का साथ देकर न्याय दिला सकते हैं।

(ग) "सच्ची शक्ति दया और न्याय में है।" इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

उत्तर: "सच्ची शक्ति दया और न्याय में है" — इसका मतलब है कि ताक़त केवल दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि उनकी मदद करने और सही रास्ता अपनाने में है। जो व्यक्ति दया और न्याय करता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है।

घर-घर की कहानी

क्या आपको अपने घर की कहानी पता है? उसे कब बनाया गया? कैसे बनाया गया? उसे बनाने के लिए कैसे-कैसे प्रयास किए गए? चलिए, अपने घर की कहानी की खोजबीन करते हैं।

अपने घर के बड़े-बूढ़ों से उनके बचपन के घरों के बारे में साक्षात्कार लीजिए। आज आप जिस घर में रह रहे हैं, उसमें वे कब से रह रहे हैं? इसमें आने के पीछे क्या कहानी है, इसके बारे में भी बातचीत कीजिए। कक्षा में अपनी-अपनी कहानियाँ साझा कीजिए।

उत्तर: मैंने अपने दादा से पूछा कि हमारे घर की कहानी क्या है। उन्होंने बताया कि यह घर मेरे पिताजी के बचपन में बनाया गया था। पहले यह छोटा था, लेकिन धीरे-धीरे परिवार बढ़ने के साथ इसमें कमरे जुड़ते गए। घर बनाने में बहुत मेहनत लगी थी। अब जब मैं इस घर में रहता हूँ तो मुझे गर्व और खुशी महसूस होती है कि यह हमारी मेहनत और प्यार का नतीजा है।

आज की पहेली

नीचे दिए गए अक्षरों से सार्थक शब्द बनाइए—

1. **ट क र् ई ओ** = टोकरी
2. **य् आ द** = दया
3. **ई ल व क्** = वकील
4. **झ् ओ ई प् अ ड़् ई अं** = झोंपड़ी
5. **ज द् आ म् ई र् अं** = ज़मींदार
6. **त् उ आ इ औ क् ल्** = औकात